ISSN 0972-7280

खण्ड 41, अंक 2 अप्रैल–जून, 2025

पूसा समाचार

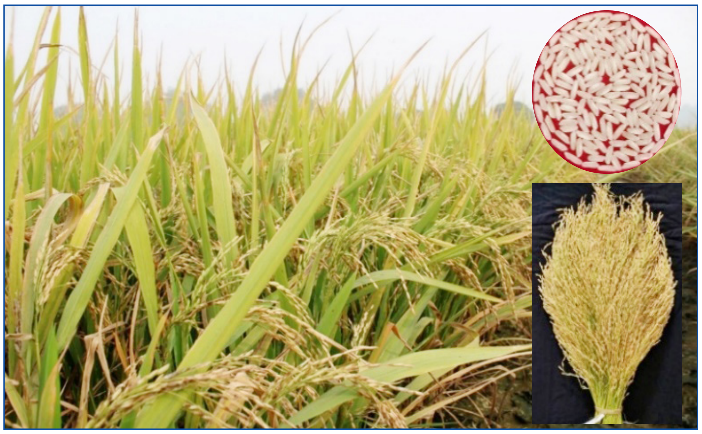

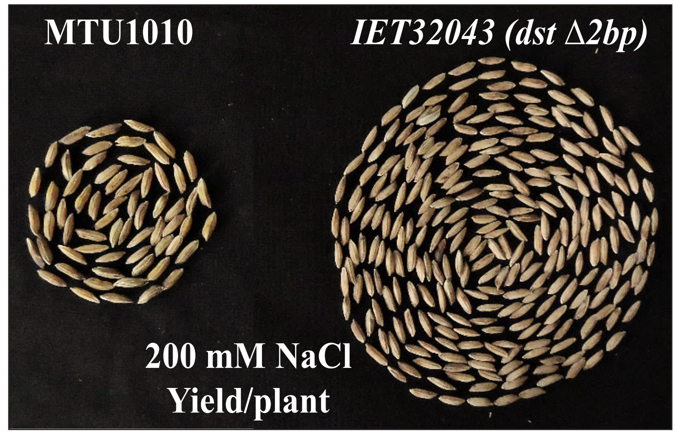

पूसा डीएसटी राइस 1- भारत का पहला जीनोम-संपादित धान

समाचार सूची

अनुसंधान 03
शिक्षा 05
प्रसार 07
क्षमता निर्माण 11
भा.कृ.अ.सं.–असम की गतिविधियां 12
भा.कृ.अ.सं.–झारखंड की गतिविधियां .. 12
विविध 12
पुरस्कार, अनुसंधान अनुदान, ...14–16
प्रकाशन और भ्रमण

संकलन समिति

संयुक्त निदेशक (अनु.) : डॉ. विश्वनाथन सी.
प्रभारी, प्रकाशन यूनिट : डॉ. अंजलि आनंद
सह–प्रभारी : डॉ. अतुल कुमार
निजी सचिव : श्री बी.एस. रावत
वेबसाइट : http://www.iari.res.in

निदेशक की कलम से.......

इस तिमाही की सबसे बड़ी उपलब्धि भारत की पहली जीनोम-संपादित धान किस्म 'पूसा डीएसटी राइस 1' के विकास की ऐतिहासिक घोषणा रही है, जिसे सूखा और प्रतिबल के लिए तैयार किया गया है। भा.कृ.अ.सं. ने उत्पादकता बढ़ाने के लिए अरहर की तीन उन्नत किस्में भी जारी की हैं। सेब में नीली फफूंद (ब्लू मोल्ड) के कारण होने वाले तुड़ाई के बाद के नुकसान को कम करने हेतु पर्यावरण-अनुकूल विधि विकसित की गई। वैज्ञानिकों ने बाजरे में ऐसे प्रमुख एंजाइमों की पहचान की, जो आटे की निधानी आयु को प्रभावित करते हैं, जिससे लंबे समय तक ताजापन बनाए रखना संभव होगा। नैनोसेंसर के निर्माण के लिए मकई के रेशे (कॉर्न सिल्क) के अर्क का उपयोग करके एक नवीन नैनोबायोहाइब्रिड का संश्लेषण किया गया। उपग्रह डेटा के माध्यम से उत्तरी राज्यों में पराली जलाने की वास्तविक समय निगरानी की गई और सभी हितधारकों को प्रतिदिन रिपोर्ट भेजकर सरकार द्वारा समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। साथ ही, भारतीय हिमालयी क्षेत्र के जलवायु मानचित्रण से यह स्पष्ट हुआ कि निचले और पूर्वी हिमालयी क्षेत्र बढ़ते तापमान के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से भा.कृ.अ.सं. ने महत्त्वपूर्ण अनुसंधान एवं नीतिगत प्राथमिकताओं की पहचान की और अपनी प्रौद्योगिकियों को किसानों तथा हितधारकों के साथ व्यापक रूप से साझा किया। इस तिमाही में भा.कृ.अनु.सं. का स्थापना दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय बीज दिवस, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जैसे विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही, वैज्ञानिकों, किसानों और अन्य हितधारकों की कौशल वृद्धि हेतु कई क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों और उच्च स्तरीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

संस्थान ने अपने अनुसंधान श्रृंखला को सशक्त बनाने हेतु आठ बाह्य वित्तपोषित अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए। प्रतिष्ठित समीक्षित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित 23 उच्च-

प्रभाव वाले शोध लेखों ने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों में और वृद्धि की। भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं.ने अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कृषि उद्यमिता (एग्रीप्रेन्योरशिप) कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। वाणिज्यिक उपक्रमों को सुगम बनाने के लिए सार्वजनिक और निजी भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवधि में भा.कृ.अ.सं.ने 24 उद्योगों के लिए 24 प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण किया।

मुझे विश्वास है कि पूसा समाचार के इस अंक में दी गई जानकारी किसानों और हितधारकों के लिए उपयोगी होगी। मैं पूसा समाचार को समय पर अनुवादित तथा प्रकाशित करने के लिए हिंदी अनुभाग एवं प्रकाशन इकाई के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देना चाहता हूं।

(सीएच. श्रीनिवास राव)
निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं.

भा.कृ.अनु.प. द्वारा भारत के पहले जीनोम-संपादित धान की उद्घोषणा

कृषि विज्ञान में एक ऐतिहासिक सफलता के रूप में, राष्ट्र ने जीनोम संपादन के क्षेत्र में वैश्विक नवाचारकर्ताओं की श्रेणी में प्रवेश किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारत की पहली जीनोम-संपादित धान की किस्मों - पूसा डीएसटी राइस 1 और डीआरआर धान 100 (कमला) - की आधिकारिक घोषणा की गई है, जिन्हें क्रमशः भा.कृ. अनु.प.- भा.कृ.अ.सं. और भा.कृ.अनु.प.- भा.चा.अ.सं. द्वारा विकसित किया गया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इन किस्मों के विकास की घोषणा की। पूसा डीएसटी राइस 1 में लवणीय और क्षारीय परिस्थितियों में 10-30% तक अधिक उत्पादन देने की क्षमता है।

डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) ने कहा कि "यह फसल विज्ञान में एक नए युग की शुरुआत है"। उन्होंने आगे बताया कि भारतीय कृषि एक ऐसे नए दौर में प्रवेश कर रही है, जहां जीनोम संपादन जैसी अत्याधुनिक तकनीकें भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगी। पूसा डीएसटी राइस 1 और डीआरआर धान 100 (कमला) का लॉन्च यह दर्शाता है कि भारत आधुनिक कृषि विज्ञान उपकरणों के माध्यम से जलवायु-अनुकूल, उच्च उत्पादकता वाली फसल समाधान विकसित करने के प्रति प्रतिबद्ध है। जैसे-जैसे जलवायु चुनौतियां बढ़ रही हैं, यह नवाचार न केवल भारतीय कृषि को अनुकूलन अपितु नेतृत्व की स्थिति में पहुँचाता है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूसा डीएसटी राइस 1 के विकासकर्ता, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी को सम्मानित किया

भा.कृ.अ.सं. द्वारा डॉ. एम. एल. जाट, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) का स्वागत

दिनांक 24 अप्रैल, 2025 को भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली द्वारा भा.कृ.अनु.प. के नए महानिदेशक के रूप में डॉ. एम. एल. जाट का स्वागत करने के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। डॉ. जाट ने किसान-केंद्रित अनुसंधान, लचीली फसल प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधान तथा वैश्विक-स्थानीय नवाचार तालमेल पर जोर दिया।

डॉ. डी. के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), ने फसल विज्ञान की प्रमुख प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जबकि डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक (भा.कृ.अनु.प. - भा.कृ.अ.सं.), ने डॉ. जाट के नेतृत्व में परिषद के मिशन के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

डॉ. एम. एल. जाट, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) का सम्मान समारोह

अनुसंधान

भारत के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में जारी/अधिसूचित फसल किस्में

फसल	किस्म	उपज क्षमता	अनुशंसित क्षेत्र	
अरहर	पूसा जवाहर अरहर बौना 22-01	18.0-22.0 क्विंटल/ हेक्टेयर	मध्य प्रदेश **(राजे आरएस, सिंह जी, रामप्रशात जी, कुमार डी, दास टीएस, आनुवंशिकी संभाग) (rsraje@iari.res.in)**	
	पूसा जवाहर अरहर 22-02	18.80 क्विंटल/ हेक्टेयर	मध्य प्रदेश **(राजे आरएस, सिंह जी, रामप्रशात जी, कुमार डी, दास टीएस,आनुवंशिकी संभाग) (rsraje@iari.res.in)**	
	पूसा जवाहर अरहर 21-29	19.50 क्विंटल/ हेक्टेयर मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश **(राजे आरएस, सिंह जी, रामप्रशात जी, कुमार डी, दास टीएस,आनुवंशिकी संभाग) (rsraje@iari.res.in)**	
गेहूं	एच आई 1669 (पूसा गेहूं क्रांति)	82.1 क्विंटल/ हेक्टेयर उच्च दाने में जिंक की मात्रा (40.6 पीपीएम)	समय पर बुआई, मध्य क्षेत्र की सिंचित परिस्थितियां **(सिंह जेबी, शर्मा केसी, वर्मा डीके, प्रकाशा टीएल, गजघाटे आर, क्षेत्रीय केन्द्र, इंदौर) (jangbsing@gmail.com)**	
	एच आई 1674 (पूसा गेहूं अतुल्य)	मध्य क्षेत्र में 71.1 क्विंटल/हेक्टेयर और प्रायद्वीपीय क्षेत्र में 63.4 क्विंटल/ हेक्टेयर उच्च लौह (40.1 पीपीएम) और जस्ता (42.8 पीपीएम तक) सामग्री।	मध्य और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में देर से बुआई, सिंचित परिस्थितियां **(सिंह जेबी, शर्मा केसी, वर्मा डीके, प्रकाशा टीएल, गजघाटे आर, क्षेत्रीय केन्द्र, इंदौर) (jangbsing@gmail.com)**	

भारतीय सेबों में *पेनिसिलियम क्रस्टोसम* द्वारा उत्पन्न नीली फफूंदी और उसका पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन

पेनिसिलियम क्रस्टोसम के कारण होने वाली नीली फफूंदी की पहचान भारत में पहली बार सेबों की तुड़ाई के बाद होने वाली एक बीमारी के रूप में की गई, जो लगभग 10% फलों को प्रभावित करती है। इसकी पहचान की पुष्टि आकारिकी विशेषताओं, आण्विक चिह्नकों (β-ट्यूबुलिन, एलएसयू, आईटीएस) और रोगजनकता परीक्षणों के माध्यम से की गई। टिकाऊ भंडारण के लिए (0.5%) का छिड़काव और *ओसीमम सैंक्टम* (1%) धूमन का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन की सिफारिश की गई, सतत भंडारण के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन के रूप में *ओसीमम टेनुइफ्लोरम* (0.5%) का छिड़काव और *ओसीमम सैंक्टम* (1%) का धूम्रीकरण अनुशंसित किया गया।

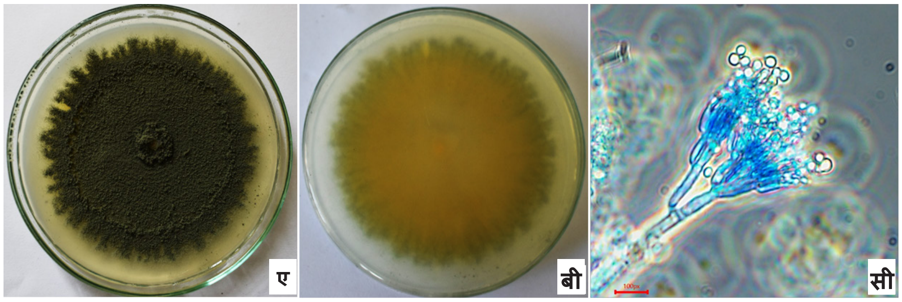

ए: कारक कवक का शुद्ध संवर्धन जिसमें नीले-हरे रंग के कोनिडिया दिखाई दे रहे हैं, **बी:** पेट्री प्लेट का पिछला भाग पीले से नारंगी रंग का दिखाई दे रहा है, **सी:** फियालाइड्स और मेटुला से जुड़े गोलाकार कोनिडिया

(वाटपडे एस, क्षेत्रीय केंद्र शिमला) (watpade.santosh@icar.org.in)

भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) के लिए उच्च विभेदन मौसमी जलवायु परिदृश्यों और जलवायु चरम सीमाओं का मानचित्रण

भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) में 2015 से 2100 तक कृषि मौसमों के लिए स्थानिक-कालिक जलवायु परिदृश्यों (एसएसपी-आरसीपी 2.4.5, 3.7.0 और 5.8.5) का आकलन करने हेतु पूर्वाग्रह-संशोधित जी.सी.एम. समूह डेटा का विश्लेषण किया गया। मौसमी औसत न्यूनतम तापमान में अनुमानित परिवर्तन-1 से 4.4°से. (खरीफ) और -1.6 से 5.24°से. (रबी) तक दर्शाते हैं, जबकि अधिकतम तापमान 1980-2014 की तुलना में 0.6-6.6° से. (खरीफ) और -1.6 से 5.4°से. (रबी) तक बढ़ सकता है। वर्षा -800 से +2000 मिमी (खरीफ) और -400 से +800 मिमी (रबी) के बीच रहने की उम्मीद है। ताप प्रतिबल वाले दिनों (>30° से.) में वृद्धि का अनुमान है, विशेष रूप से निचले और पूर्वी हिमालय में, जबकि उप-शून्य तापमान वाले दिनों में कमी आएगी।

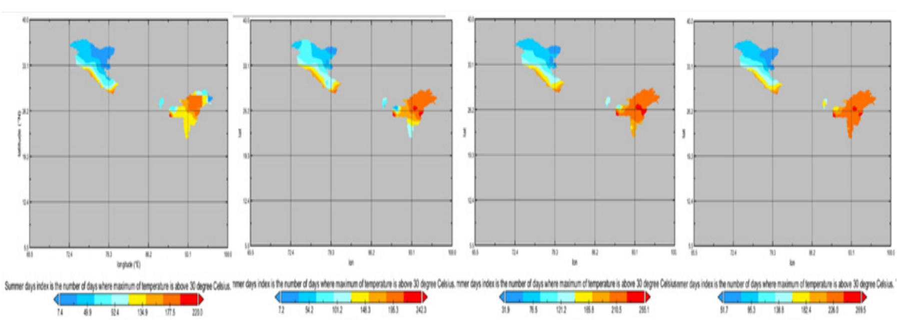

भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) में 30° से. से अधिक तापमान वाले दिनों की संख्या आधार रेखा (1980-2014), एसएसपी-आरसीपी 2 4.5 (2015-2039, 2040-2069 और 2070-2099) जलवायु परिदृश्यों के अनुसार

(कुमार एस. एन., पर्यावरण विज्ञान संभाग) (nareshkumar@iari.res.in)

जब जीन बने वंचक: *डी नोवो* ट्रांसक्रिप्टोमिक्स द्वारा बाजरा की सड़न रोकने वाली मशीनरी का अनावरण

बाजरे के आटे की अल्प निधानी आयु पिसाई के बाद ट्रायएसिलग्लिसरॉल्स के एंज़ाइमेटिक विघटन के कारण होती है, जिसके परिणामस्वरूप बासीपन (रैंसिडिटी) और रंग बदलना (डिसकलरेशन) होता है। लिपऑक्सीजनेज़ (एलओएक्स) मुक्त वसा अम्ल को हाइड्रोपरॉक्साइड्स में बदलते हैं, जिन्हें आगे हाइड्रोपरॉक्साइड लाइएज़ (एचपीएल) द्वारा दुर्गंध पैदा करने वाले वाष्पशील यौगिकों (volatiles) में परिवर्तित किया जाता है। परॉक्सीडेज़ (पीओएक्स) और पॉलीफेनॉल ऑक्सीडेज़ (पीपीओ) क्रमशः रंग बदलने और भूरेपन के साथ अप्रिय स्वाद (ऑफ फ्लेवर) में योगदान देते हैं, जिनकी अधिकतम गतिविधि पिसाई के 10 दिनों के भीतर पाई जाती है।मुख्य एंज़ाइम ट्रांसक्रिप्ट्स (2038 लाइपेज़, 209 एलओएक्स, 26 एचपीएल, 1023 पीओएक्स, और 17 पीपीओ ट्रांसक्रिप्ट्स) का विश्लेषण बाजरे के आटे की निधानी आयु बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

(कुमार आर.आर., जैवरसायनविज्ञान संभाग)
(ranjeet_biochem@iari.res.in)

मकई रेशम के अर्क से विकसित नैनो-इंजीनियर्ड ग्रीन बायोहाइब्रिड

ग्राफीन के प्रकार, जैसे ग्राफीन ऑक्साइड (GO) और रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड (rGO), अब खाद्य और कृषि

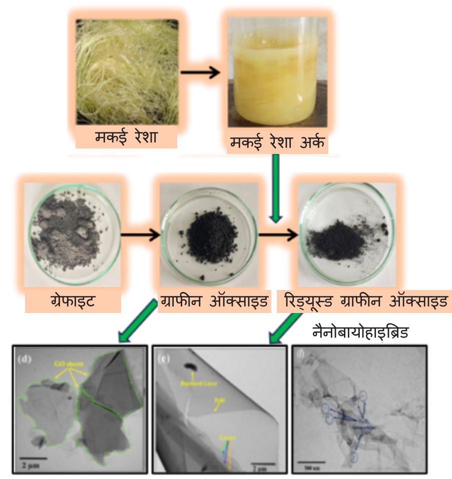

मकई रेशम के अर्क से हरित तरीके से rGO और नैनोबायोहाइब्रिड तैयार करना

में नए प्रयोग पा रहे हैं। मकई रेशम के अर्क का उपयोग करके एक हरित तरीका अपनाया गया और rGO के साथ एक नया नैनोबायोहाइब्रिड (G-Fe_3O_4@rGO) तैयार किया गया, जिसे भविष्य में नैनोसेंसर बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है। विश्लेषण से पता चला कि GO और rGO के बैंड गैप्स क्रमशः 2.07 eV और 3.11 eV थे। GO शीट्स मोटाई में rGO (75 nm तक) से बड़ी थीं, अर्थात 37-94 nm। नैनोबायोहाइब्रिड में, Fe_3O_4 नैनोपार्टिकल्स rGO शीट्स पर समान रूप से वितरित थे।

(कुंडू एम, कृष्णन पी, वशिष्ठ ए, पिल्लई एस एन; कृषि भौतिकी संभाग)
(monikak@iari.res.in)

उपग्रह रिमोट सेंसिंग के माध्यम से गेहूं अवशेष जलाने की निगरानी

उत्तर और मध्य भारत के पांच राज्यों में गेहूं अवशेष जलाने की वास्तविक समय में निगरानी उपग्रह रिमोट सेंसिंग की मदद से की गई, और प्रतिदिन बुलेटिन सरकार के संबंधित विभागों के साथ साझा किए गए। उपग्रह डेटा के अनुसार, जलने की घटनाएं निम्नलिखित रूप से दर्ज की गईं: पंजाब (10,207), हरियाणा (1,832), उत्तर प्रदेश (14,398), मध्य प्रदेश (34,429), और दिल्ली (49)। सेंटिनल-2 एमएसआई चित्रों और एआई/एमएल वर्गीकरण तकनीकों का उपयोग करके गेहूं के जले हुए क्षेत्रों का अनुमान लगाया गया, जो कि पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश में क्रमशः 42.2%, 14.2% और 45.3% गेहूं बोए गए क्षेत्रों के बराबर था।

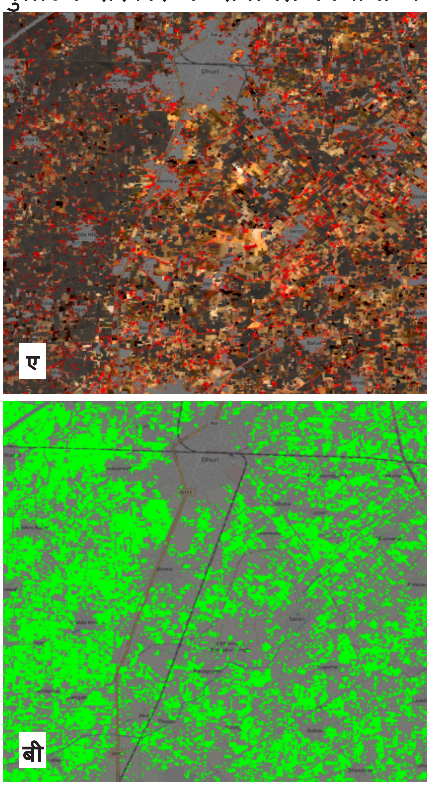

(ए) खेतों का मिथ्या रंगीन उपग्रह चित्र
(बी) जले हुए खेत (हरे) को एआई/एमएल का उपयोग करके पंजाब के संगरूर जिले के एक हिस्से के लिए वर्गीकृत किया गया है

(सहगल वी, राजकुमार, ज़िशान, जैन एन; कृषि भौतिकी संभाग)
(sehgal@iari.res.in)

शिक्षा

एनएमएसएचई-टास्कफोर्स के अंतर्गत व्याख्यान

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं के पर्यावरण विज्ञान संभाग और आईक्यूएसी ने एनएमएसएचई-टास्कफोर्स (कृषि) के तत्वावधान में 8 अप्रैल, 2025 को आईआईआरएस-इसरो के पूर्व निदेशक डॉ. पार्थ सारथी रॉय द्वारा "उभरती पर्यावरणीय चुनौतियां और कृषि: समाधान विकसित करने की संभावनाएं और दृष्टिकोण" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया। उन्होंने हमारी जलवायु, जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा की रक्षा के लिए स्थाई रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. पार्थ सारथी रॉय, पूर्व निदेशक, आईआईआरएस-इसरो का संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) द्वारा सम्मान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर शिक्षा सम्मेलन

दिनांक 28 अप्रैल, 2025 को, डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., ज़ी न्यूज एजुकेशन कॉन्क्लेव "शिक्षा पर विचार" में एक प्रतिष्ठित पैनलिस्ट रहे। जहां उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भा.कृ.अ.सं. की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन में स्कूलों में कृषि पाठ्यक्रम के एकीकरण और एनईपी के अनुरूप एक अधिक उत्तरदायी और नवीन कृषि शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपने विचार साझा करते हुए

पूसा कृषि बूट कैंप 2025

पूसा कृषि और स्नातक विद्यालय, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. ने संयुक्त रूप से 2 मई, 2025 को एक बूट कैंप का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों को अपने प्रमुख इनक्यूबेशन कार्यक्रमों, यूपीजेए और एराइज़ से परिचित कराना था। भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. की संयुक्त निदेशक (शिक्षा) और अधिष्ठाता डॉ. अनुपमा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र में छात्रों द्वारा संचालित नवाचारों के लिए ₹25 लाख, ₹5 लाख और हाल ही में शुरू किए गए ₹4 लाख के अनुदान की जानकारी दी गई।

पूसा कृषि बूट कैंप के प्रतिभागीगण

साथ ही, कृषि उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देने के लिए, भा.कृ.अ.सं. ने चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं: ताजा जल, जलकृषि और मत्स्य प्रबंधन में डिप्लोमा (भा.कृ.अनु.सं. असम), मृदा परीक्षण और पोषक तत्व प्रबंधन में डिप्लोमा (मृदा विज्ञान और कृषि रसायनविज्ञान संभाग), रैपिड कम्पोस्टिंग और गुणवत्ता मूल्यांकन में प्रमाणपत्र (सूक्ष्मजीवविज्ञान संभाग) तथा ग्रीनहाउस हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती में प्रमाणपत्र (सीपीसीटी)।

प्रायोगिक अधिगम इकाई (ईएलयू) का उद्घाटन

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं के निदेशक एवं कुलपति डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव ने 5 मई, 2025 को कृषि प्रसार संभाग में भा.कृ.अनु.प. शिक्षा प्रभाग द्वारा एक वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत 'मल्टीमीडिया एवं उन्नत ग्राफिक प्रयोगशाला' पर प्रायोगिक अधिगम इकाई का उद्घाटन किया। इस प्रयोगशाला

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के निदेशक द्वारा कृषि प्रसार संभाग में प्रयोगात्मक अधिगम इकाई का उद्घाटन

में ऑडियो-वीडियो संपादन सुविधा वाले चार वर्कस्टेशन हैं। इसका उद्देश्य कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए मल्टीमीडिया सामग्री तैयार करने में छात्रों और प्रसार व्यावसायिकों को सहायता प्रदान करना है।

स्पेक्ट्रानोवा' 25 - संस्कृति और रचनात्मकता का उत्सव

स्पेक्ट्रानोवा' 25, स्नातक विद्यालय, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, 6 मई, 2025 को स्नातकोत्तर विद्यालय छात्र संघ (पीजीएसएसयू) के तत्वावधान में मनाया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम छात्रों के लिए विभिन्न प्रदर्शनों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी विविध प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करता है, जो भा.कृ.अ.सं. समुदाय में रचनात्मकता, सौहार्द और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का उत्सव मनाता है। स्नातक द्वितीय वर्ष बैच (2023-2027) समग्र विजेता रहा, जबकि स्नातक प्रथम वर्ष बैच (2024-2028) को उपविजेता घोषित किया गया।

वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव स्पेक्ट्रानोवा' 25

"विकसित भारत @2047 के लिए भारतीय कृषि का रूपांतरण" - बत्तीसवां डॉ. बी. पी. पाल स्मारक व्याख्यान

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली के स्नातक विद्यालय और जेनेटिक्स क्लब द्वारा दिनांक 28 मई, 2025 को 32वें डॉ. बी.पी. पाल स्मारक व्याख्यान का संयुक्त आयोजन किया गया। इस व्याख्यान को डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. ने "विकसित भारत@2047 के लिए वस्तु-केंद्रित कृषि से कृषि-खाद्य प्रणाली में संक्रमण" विषय पर प्रस्तुत किया। उन्होंने कृषि अनुसंधान में एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता की बात की, जिसमें बहु-विषयक दृष्टिकोण, एआई/एमएल का एकीकरण और मांग-आधारित नवाचार शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी-सक्षम विस्तार सेवाओं और कृषि-व्यवसाय मॉडल्स

की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण से मेल खाते हों।

बत्तीसवें डॉ. बी. पी. पाल स्मारक व्याख्यान का उद्घाटन

भा.कृ.अ.सं.-आईएए विशिष्ट विशेषज्ञ व्याख्यान

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. और भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 24 जून, 2025 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। सीआईएमएमवाईटी के महानिदेशक डॉ. ब्रैम गोवार्ट्स ने "खाद्य सुरक्षा और शांति हेतु विज्ञान और नवाचार" विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें छोटे किसानों के समर्थन में नवाचार और साझेदारी की भूमिका पर बल दिया गया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और सतत सघनीकरण तथा संरक्षण कृषि की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर.एस. परोदा, पूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. द्वारा की गई।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के निदेशक सीआईएमएमवाईटी के महानिदेशक डॉ. ब्रैम गोवार्ट्स को सम्मानित करते हुए

पूसा ग्रीष्मकालीन शिविर

नेहरू प्रायोगिक केंद्र (एनईसी) द्वारा दिनांक 04 से 24 जून, 2025 तक भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक जीवंत ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। गतिविधियों में योग, संगीत, नृत्य, चित्रकला, मिट्टी के बर्तन बनाना, ओरिगामी और बीज बोना शामिल थे, साथ ही माइक्रोग्रीन्स, प्रदूषण और जैव विविधता पर इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए। निदेशक महोदय की उद्घाटन एवं समापन सत्रों में भागीदारी ने बच्चों और आयोजकों को मूल्यवान प्रेरणा और समर्थन प्रदान किया। इस आयोजन में नेहरू प्रायोगिक केंद्र के शिक्षकों, विद्यार्थियों और समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ग्रीष्मकालीन शिविर में भा.कृ.अ.सं. कर्मचारियों के बच्चे

केंद्रीय रेशम बोर्ड वैज्ञानिक भर्ती में भा.कृ.अनु.सं. छात्रों का दबदबा

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के छात्रों ने अपनी शैक्षणिक दक्षता का परिचय देते हुए केंद्रीय रेशम बोर्ड की राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया में वैज्ञानिक-बी के 122 पदों में से 36 पर सफलता प्राप्त की।

केंद्रीय रेशम बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले भा.कृ.अ.सं. के छात्र

खीरा प्रक्षेत्र दिवस

क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं व्यवसाय योजना और विकास (ज़ेडटीएम एंड बीपीडी) इकाई ने सब्जी विज्ञान संभाग के सहयोग से 21 अप्रैल, 2025 को भा.कृ.अ.सं परिसर, नई दिल्ली में खीरा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया। प्रतिभागियों ने भा.कृ.अ.सं द्वारा विकसित उत्कृष्ट खीरा प्रजातियों और संकर किस्मों का लाइव प्रदर्शन देखा, जिसमें खुले खेत और

संरक्षित खेती दोनों प्रणालियों में उनके प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया।

उन्नत खीरा वंशक्रमों का प्रदर्शन

भा.कृ.अ.सं क्षेत्रीय केंद्र, पूसा में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीज वितरण

प्रशिक्षण कार्यक्रम

संभाग/कृ. वि. के./क्षेत्रीय केंद्र	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक
मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायनविज्ञान	01	मृदा, पौध एवं जल के विश्लेषण हेतु उपकरणीय तकनीकें
सूक्ष्मजीवविज्ञान	01	बायोफर्टिलाइज़र एवं कंपोस्टिंग में कौशल विकास एवं उद्यमिता
कृषि विज्ञान केन्द्र, गुरुग्राम	03	• सतत डेयरी फार्मिंग • मधुमक्खी पालन • आजीविका हेतु बकरी पालन
भा.कृ.अ.सं क्षेत्रीय केंद्र, पूसा	01	वैज्ञानिक धान की खेती

विकसित कृषि संकल्प अभियान

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. ने 29 मई से 12 जून, 2025 तक दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में भा.कृ.अनु.प. संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों तथा राज्य विभागों के सहयोग से विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) आयोजित किया। इस अभियान का उद्देश्य किसान-वैज्ञानिक संवाद के माध्यम से जलवायु-सहिष्णु खरीफ तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, संतुलित पोषण एवं कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देना था।

अभियान की शुरुआत दिल्ली के दरियापुर गांव से हुई, जिसमें 750 से अधिक किसान शामिल हुए और समापन तिगीपुर गांव में चौपाल के साथ हुआ, जहां माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान तथा 900 से अधिक किसान उपस्थित रहे। प्रमुख प्रसारित प्रौद्योगिकियों में प्रत्यक्ष बुआई धान (डीएसआर), शून्य जुताई, पूसा डीकंपोज़र, जैव-नियंत्रण आधारित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईपीएनएम) तथा ड्रिप सिंचाई शामिल थीं। साथ ही, किसानों की नवाचारी प्रथाएं जैसे गौमूत्र आधारित जैव कीटनाशक, सामुदायिक बीज बैंक, सौर-ऊर्जा चालित स्प्रेयर तथा व्हाट्सएप आधारित फसल विपणन का दस्तावेजीकरण किया गया। बीज अनुरेखण, इनपुट गुणवत्ता तथा मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं तक पहुँच में नीतिगत अंतराल उजागर हुए। कौशल की कमी की पहचान कीटों की पहचान, जैव इनपुट्स के उपयोग तथा फसल कटाई उपरांत प्रबंधन में की गई।

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान दिल्ली के तिगीपुर गांव में चौपाल में शामिल हुए

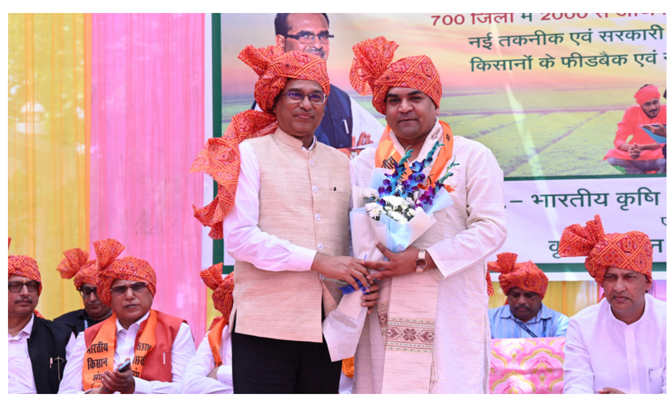

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., निदेशक के नेतृत्व में भा.कृ.अनु.सं. टीम दरियापुर गांव में पहुंची

पोषण पखवाड़ा

कृषि विज्ञान केंद्र, शिकोहपुर द्वारा 08 से 22 अप्रैल, 2025 तक पोषण पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान रसोई बगीचे स्थापित करने पर तीन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुल 117 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और विद्यालय के छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

पोषण पखवाड़े का आयोजन

120वां स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं, नई दिल्ली द्वारा 1 अप्रैल, 2025 को अपना 120वां स्थापना दिवस मनाया गया, जो 1905 में स्थापना के बाद से भारतीय कृषि में एक सदी से अधिक के योगदान का प्रतीक है। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने हरित क्रांति में भा.कृ.अ.सं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए राज्य-विशिष्ट नीतियों, बाज़ार सुधारों, मांग-आधारित उत्पादन तथा जैव प्रौद्योगिकी के एकीकरण के माध्यम से "जैव क्रांति" लाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रकाशनों का विमोचन किया गया तथा संस्थान के उत्कृष्ट विद्यार्थियों और मेधावी कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

प्रो. रमेश चंद, केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सदस्य, नीति आयोग द्वारा प्रकाशनों का विमोचन

संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर मेधावी कर्मचारियों का सम्मान

दिवस समारोह

संभाग/इकाई	दिवस
अंतरराष्ट्रीय बीज दिवस	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संभाग ने 26 अप्रैल, 2025 को अंतरराष्ट्रीय बीज दिवस मनाया, ताकि कृषि, खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता में बीजों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया जा सके।
विश्व बौद्धिक संपदा दिवस	विश्व बौद्धिक संपदा दिवस का आयोजन भा.कृ.अ.सं. के ज़ेडटीएम एंड बीपीडी तथा भा.कृ.अनु.प. के आईपीटीएम द्वारा किया गया। इस अवसर पर "नवोन्मेषी अवधारणाएँ: विचारों को बौद्धिक संपदा में परिवर्तित करना" विषय पर दिनांक 02 मई, 2025 को एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया, जिसका संचालन डॉ. श्वेता शर्मा द्वारा किया गया।
विश्व पर्यावरण दिवस	पर्यावरण विज्ञान संभाग तथा पूसा (बिहार) स्थित भा.कृ.अ.सं. के क्षेत्रीय केंद्र ने 05 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया और परिसर में वृक्षारोपण किया।
विश्व योगा दिवस	21 जून, 2025 को नई दिल्ली के पूसा स्थित एनएएससी कॉम्प्लेक्स में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और समग्र स्वास्थ्य में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला। पादप कार्यिकी संभाग ने भी इस दिवस को संकाय और छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ इस दिन को मनाया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करते हुए माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान, डॉ. एम.एल. जाट, महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. तथा निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं.,नई दिल्ली

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान, भा.कृ.अनु.प. और भा.कृ.अ.सं. के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाते हुए

चौथे आम महोत्सव में भा.कृ.अ.सं. की आम प्रजातियों का प्रदर्शन

भा.कृ.अनु.प-भा.कृ.अ.सं. ने 34वें आम महोत्सव 2025 के दौरान भारत के विभिन्न हिस्सों से विदेशी आम प्रजातियों और चयनित किस्मों को प्रदर्शित किया। यह महोत्सव दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम लिमिटेड, दिल्ली सरकार द्वारा 27 से 29 जून 2025 तक त्यागराज स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

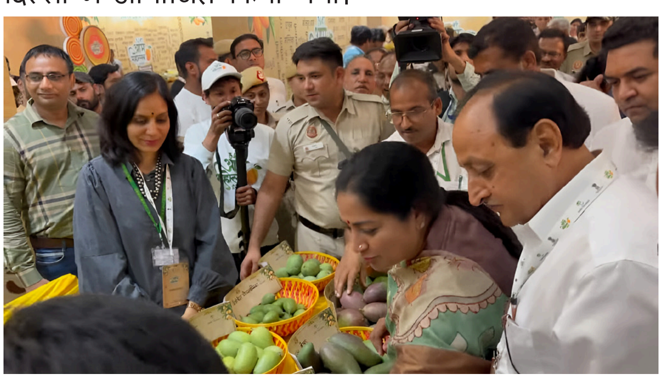

आम महोत्सव में श्रीमती रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली भा.कृ.अ.सं. स्टॉल का भ्रमण करते हुए

विभिन्न संभागों में स्वच्छ भारत अभियान

भा.कृ.अ.सं. के मुख्य परिसर, क्षेत्रीय केंद्र और परिसर के बाहर के विभिन्न प्रभागों में छात्रों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। भा.कृ. अनु.प-भा.कृ.अ.सं. के निदेशक डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न संभागों और परिसरों के सदस्यों को प्रेरित किया। उन्होंने स्वच्छ भारत और क्लीन इंडिया मिशन के महत्व पर जोर देते हुए सभी से स्वच्छता को नियमित अभ्यास बनाने का आग्रह किया, जिससे कि एक साफ-सुथरा और हरित भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

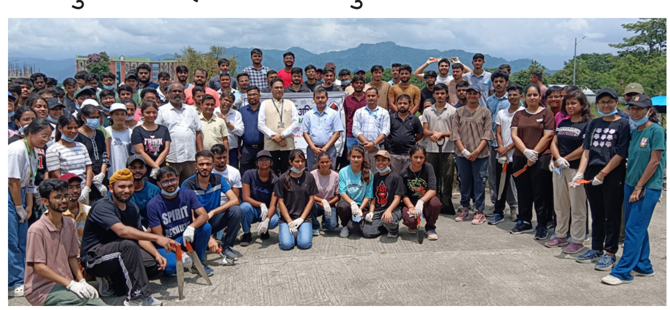

भा.कृ.अ.सं. असम में स्वच्छ भारत अभियान में कर्मचारी और छात्र भाग लेते हुए

क्षमता निर्माण

कार्यशालाएं और विचार-मंथन सत्र

संभाग/इकाई	दिनांक	कार्यशाला का शीर्षक
कीटविज्ञान	अप्रैल 21-23,2025	"कृषि दृष्टि से महत्वपूर्ण कीटों का वर्गीकरण" पर एएनआरएफ प्रायोजित कार्यशाला
पर्यावरण विज्ञान	अप्रैल 28,2025	"लघु कृषकों के लिए कार्बन क्रेडिट्स: दृष्टिकोण और रूपरेखा" पर विचार-मंथन कार्यशाला
सूक्ष्मजीवविज्ञान	मई 16,2025	"जैव उर्वरकों के उपयोग और कम्पोस्टिंग" पर कार्यशाला
कैटेट	मई 16,2025	एनईपी/वीओ साझेदारी की 34वीं समीक्षा कार्यशाला
आनुवंशिकी	मई 16,2025 जून 25,2025	• "बासमती धान पर हितधारकों के परामर्श - आगे की राह" पर राष्ट्रीय कार्यशाला • भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., झारखंड के सहयोग से नेपाल हाउस, रांची में "आजीविका और पोषण सुरक्षा बढ़ाने हेतु अनुसंधान और बीज प्रणाली को सुदृढ़ बनाना" पर राष्ट्रीय कार्यशाला
भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली	जून 16-20, 2025	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं.के नव नियुक्त सहायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
सस्यविज्ञान	जून 24-25, 2025	"सतत कृषि हेतु नियंत्रित मैक्रो और माइक्रो पोषक तत्व नैनोकणों की आपूर्ति के लिए उन्नत हाइड्रोजेल-बायोचार नैनोकॉम्पोज़िट्स" पर अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला
भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली	जून 25, 2025	रांची (झारखंड) में बीज विस्तार पर कार्यशाला
कृषि भौतिकी	जून 28-30,2025	"अगली पीढ़ी की कृषि भौतिकी: सतत विकास के लिए नवाचार" पर कार्यशाला

"लघु कृषकों के लिए कार्बन क्रेडिट्स: दृष्टिकोण और रूपरेखा" पर विचार-मंथन कार्यशाला

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली द्वारा भा.कृ.अ.सं., झारखंड और कृषि विभाग के सहयोग से नेपाल हाउस, रांची में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. असम की मुख्य गतिविधियां

भा.कृ.अ.सं. -असम ने मनाया 9वां स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., असम ने 26 मई, 2025 को अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, धेमाजी के जिला आयुक्त श्री राहुल सुरेश जावीर और असम कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री तपन कुमार गोहेन उपस्थित थे। भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं.के निदेशक एवं कुलपति डॉ.सीएच. श्रीनिवास राव ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में दूसरी हरित क्रांति को गति देने और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के संस्थान के मिशन पर प्रकाश डाला।

भा.कृ.अ.सं. असम के स्थापना दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि, कर्मचारी एवं छात्र

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. झारखंड की मुख्य गतिविधियां

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. झारखंड का 11वां स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., झारखंड ने 28 जून, 2025 को अपना 11वां स्थापना दिवस मनाया। इसकी अध्यक्षता निदेशक एवं कुलपति डॉ.सीएच. श्रीनिवास राव ने की और मुख्य अतिथि पद्म भूषण डॉ. आर.एस. परोदा, पूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. उपस्थित रहे। डॉ. परोदा ने पूर्वी भारत के नेतृत्व में दूसरी हरित क्रांति की आवश्यकता पर बल दिया और अनुसंधान, शिक्षा एवं किसान सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में भा.कृ.अ.सं., झारखंड की भूमिका की सराहना की।

भा.कृ.अ.सं., झारखंड के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. आर.एस. परोदा और पुरस्कार विजेताओं का अभिनंदन

विविध

अनुसंधान अनुदान

स्वीकृत एवं क्रियान्वित बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं (>रु.10 लाख)

अप्रैल-जून, 2025 की अवधि के दौरान स्वीकृत बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएँ				
शीर्षक	धनराशि (₹ लाखों में)	अवधि (वर्ष)	वित्त पोषण एजेंसी	प्रधान अन्वेषक
भारतीय मूल की पादप प्रजातियों पर जैव विविधता सर्वेक्षण, ताकि अन्य देशों में उपयोग के लिए संभावित जैविक नियंत्रण कारकों की पहचान की जा सके, जहां ये प्रजातियां आकस्मिक प्रवेश के बाद आक्रामक विदेशी खरपतवार बन गई हैं	40.44	अप्रैल 2025-अप्रैल 2028	सीएबीआई, ब्रिटेन	डॉ. दीबा कामिल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पादपरोगविज्ञान संभाग

विभिन्न धान फसल स्थापना विधियों के अंतर्गत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन	33.40	मई 2025-दिसंबर 2027	आईआरआरआई	डॉ. आरती भाटिया, प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग
टमाटर में बहु रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए मेज़बान संवेदनशीलता कारकों का लक्षित संपादन	81.46	मई 2025-मई 2028	डीबीटी	डॉ. अनिरबन रॉय, प्रधान वैज्ञानिक, पादप रोग विज्ञान संभाग
स्वदेशी जीनोम संपादन उपकरणों की खोज और उच्च उपज देने वाली धान की किस्मों का विकास	29.28	जून 2025-जून 2028	डीबीटी	डॉ. प्रोलय के. भौमिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
सोयाबीन (*ग्लाइसिन मैक्स* एल.) में व्यापक संकरण और तीव्र पीढ़ी उन्नति के लिए भ्रूण बचाव प्रोटोकॉल का विकास	22.23	जून 2025-जून 2028	डीएसटी	डॉ. अंबिका राजेंद्रन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
स्वदेशी कम लागत वाला नारियल दूध आधारित कम प्रोटीन वाला आहार - कार्बनिक अम्लता और यूरिया चक्र विकार में आईईएम के चयापचय प्रबंधन के लिए रामबाण	127.24	जून 2025-जून 2028	आईसीएमआर	डॉ. नीलम उपाध्याय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, खाद्य विज्ञान एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी संभाग
प्रौद्योगिकी और कृषि के बीच सेतु निर्माण: भारत में परिशुद्ध कृषि के प्रसार को समझना	24.98	जून 2025-जून 2027	कॉर्टेवा एग्रीसाइंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. अलका सिंह, अध्यक्ष, कृषि अर्थशास्त्र संभाग
पोषण सुरक्षा के लिए जैव-प्रबलीकरण: भारत में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को पाटना	24.99	जून 2025-जून 2027	कॉर्टेवा एग्रीसाइंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. अलका सिंह, अध्यक्ष, कृषि अर्थशास्त्र संभाग

प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण

अप्रैल-जून 2025 के दौरान लैब टू लैंड पहल के अंतर्गत, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. द्वारा विकसित 24 प्रौद्योगिकियों का 24 उद्योग साझेदारों के साथ वाणिज्यीकरण किया गया, जिससे कुल ₹73.33 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ।

आईपी प्रबंधन

अप्रैल-जून 2025 के दौरान, जेडटीएम एवं बीपीडी इकाई द्वारा एक पेटेंट, एक ट्रेडमार्क और दो कॉपीराइट दाखिल किए गए।

इनक्यूबेशन गतिविधियां

उपजा और एराईज 2025-26 का शुभारंभ

दिनांक 1 अप्रैल 2025 को पूसा कृषि, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं ने अपने प्रमुख स्टार्टअप इनक्यूबेशन कार्यक्रम उपजा और एराईज की शुरुआत की। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य इच्छुक उद्यमियों को मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और परामर्श प्रदान करना है।

आरएबीआई स्टार्टअप्स के लिए मास्टरक्लास श्रृंखला

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की आरकेवीवाई-रफ़्तार योजना के अंतर्गत आरएबीआई स्टार्टअप्स के लिए पूसा कृषि मास्टरक्लास श्रृंखला 03-16 अप्रैल, 2025 तक ऑनलाइन आयोजित की गई। यह गहन 10-दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला, सीआईसी द्वारा अनुशंसित, रफ़्तार कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेटरों (रबी) के अंतर्गत इनक्यूबेट किए गए प्री-सीड और सीड-स्टेज स्टार्टअप्स के लिए तैयार की गई थी।

समझौता ज्ञापन (एम ओ यू)

दिनांक 16 जून 2025 को पूसा कृषि, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. ने दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए:

- एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज़ के साथ: गैप फंड, एक आईएफएडी समर्थित पहल के अंतर्गत इंडिया एग्री-बिजनेस एंड वैल्यू चेन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से एग्री-स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करने के लिए।
- सोमानी कनक सीड्ज़ प्रा. लि. के साथ: पूसा टीओएलसीवी टमाटर हाइब्रिड 8 (एक वायरस-प्रतिरोधी किस्म) के लाइसेंसिंग हेतु, जिसे डॉ. जाकिर हुसैन (भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं.) और डॉ. पी.के. सिंह (भा.कृ.अनु.प.-एन.बी.पी.जी.आर.) द्वारा विकसित किया गया है।

सोमानी कनक सीड्ज़ प्राइवेट लिमिटेड और एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के साथ समझौता ज्ञापन

पुरस्कार, अनुसंधान अनुदान, प्रकाशन और भ्रमण

पुरस्कार और सम्मान

- डॉ. वेदा कृष्णन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जैव रसायन संभाग, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं, को वर्ष 2025-26 के लिए ग्लोबल यंग एकेडमी (जीवाईए) की कार्यकारी समिति का सदस्य चुना गया।
- डॉ. अर्पण भौमिक, भा.कृ.अ.सं.-असम, को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) एसोसिएटशिप पुरस्कार मिला।
- कृषि अभियांत्रिकी संभाग की बी.टेक तृतीय वर्ष की टीम को राष्ट्रीय कृषि हैकाथॉन 2025 में तीसरा पुरस्कार मिला। यह प्रतियोगिता कृषि व्यवसाय ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र द्वारा, राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय (आरवीएसकेवीवी), ग्वालियर और नाबार्ड की संयुक्त पहल पर आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य छात्रों, स्टार्टअप्स और ग्रामीण उद्यमियों से नई और प्रभावशाली कृषि तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देना है।

नास रेटिंग >10.0 वाले प्रकाशन

- चट्टोपाध्याय के., ज़ेवियर के. एम., पोरायिल एल., बालांगे ए. के. और नायक बी. बी. (2025). मछली कीमा इमल्शन सॉसेज में प्रोटीन और लिपिड की अंतःक्रियाओं पर काइटोसैन के आणविक भार का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स,* 319.doi: 10.1016/j.ijbiomac
- चावड़ा डी., शर्मा एन., शर्मा आर. एम., त्रिपाठी वी., जोशी एन., विट्टल एच., कुमार एन., दुबे ए. के. (2025). अंतरप्रजातीय साइट्रस संकरों में नारिंगिन के मानकीकरण और मात्रात्मक विश्लेषण हेतु उच्च-प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) विधि। *जर्नल ऑफ फ़ूड कंपोज़िशन एंड एनालिसिस,* 142.doi: 10.1016/j.jfca.2025.107467
- डुक एन. टी., राजू डी., कुमार एस., पांडेय आर., एलुर आर. के., गोपाल कृष्णन एस., विश्वकर्मा सी., अल्लीमुथु ई., सिंह बी., राजेन्द्रन ए., साहू आर. एन., चिन्नुस्वामी वी. (2025).धान में नाइट्रोजन उपयोग दक्षता को बढ़ाने हेतु फेनोमिक्स-सहायता प्राप्त गुण विश्लेषण और जीनोटाइप चयन। *प्लांट स्ट्रेस,* 17.doi: 10.1016/j.stress.2025.100909
- करिश्मा पी., खार ए., वासुदेव एस., कुमार ए. और पटेल आर. (2025). काले लहसुन की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का उपयोग: 29 भारतीय लहसुन जीनोटाइप्स में जैव-सक्रिय यौगिकों का अध्ययन। *फ़ूड बायोसाइंस,* 70. doi: 10.1016/j.fbio.2025.107020
- कुमार आर. आर., बाबू एच. पी., हसीजा एस., गम्पा एम., गोस्वामी एस., कुमार एस., विनुथा टी., मिश्रा जी. पी., मिश्रा डी., राय जी. के., झा जी. के., कुमार एस. एन., प्रवीण एस., त्यागी ए. और विश्वनाथन सी. (2025). थियोल-आधारित रेडॉक्स सेंसिंग पीले रंजक और एंटीऑक्सीडेंट संचय को नियंत्रित करता है तथा गेहूं के दानों (*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.) की पोषण गुणवत्ता को बढ़ाता है। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस,* 16.doi: 10.3389/fpls.2025.1488697
- महतो आर. के., चंदना बी. एस., सिंह आर. के., तालुकदार ए., स्वर्णलक्ष्मी के., सुमन ए., वैशाली, डे डी., कुमार आर. (2025). नाइट्रोजन स्थिरीकरण और टिकाऊ चना उत्पादकता के लिए एक एसोसिएशन पैनल उपसमूह की संभावनाओं का अन्वेषण। *बीएमसी प्लांट बायोलॉजी,* 25.doi: 10.1186/s12870-025-06244-z
- मालकोंडैया ए. सी., कुमार एस., कृष्णा एच., सिंह बी., तारिया एस., दलाल एम., सथी एल., पांडेय आर., कुमार आर. आर., चिन्नुस्वामी वी. (2025).उच्च घनत्व एसएनपी मार्करों का उपयोग कर नाइट्रोजन उपचार के अंतर्गत गेहूं (*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.) में अनाज पोषक तत्वों को नियंत्रित करने वाले क्यूटीएलएस का मानचित्रण। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस,* 16. doi: 10.3389/fpls.2025.1553525
- मौर्य के., मणि बी., सिंह बी., सिरोही यू., जसकोलोव्स्की ए., शर्मा एस., तातिपार्थी एच. वी., मंगरौठिया एस., पांडेय आर., पोइरियर वाई. और गिरी जे. (2025). ओएसपीएचओ 1;2 के सीआईएस-तत्वों का संपादन धान में फॉस्फेट परिवहन और उपज को बेहतर बनाता है। *प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जर्नल.* doi: 10.1111/pbi.70165
- मुथु ई., गोंजालेज़ एल. ए., लोपेज़-रेयेस के., रेबेलो-रोमाओ आई., सौसा ए., गोड्डे वी., निहाउस के., थेन्नप्पन डी., विल्चेज़ मोरिलास जे. आई., पॉल एस. और लिकोना-कसानी सी. (2025).तुलनात्मक जीनोमिक्स और मेटाबोलोमिक्स एज़ोटोबैक्टर क्रोकोकम डब्ल्यू 5 में पादप हार्मोन उत्पादन, पोषक तत्व अधिग्रहण और परासरणीय तनाव सहनशीलता को उजागर करता है। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी,* 16.doi: 10.3389/fmicb.2025.1626016
- नयना एन. पी., कुमार ए. टी. वी., अरदवाड़ पी. पी., लामा ए., दास आर., राम्या सी. एस., पत्तैया एम., एक्का यू., हसन एम. और साहू पी. के. (2025). तरबूज में

परिपक्वता की भविष्यवाणी हेतु ध्वनिक और गुणवत्ता विशेषताओं का उपयोग कर मशीन लर्निंग विधियों का तुलनात्मक विश्लेषण। *फूड केमिस्ट्री,* 486.doi: 10.1016/j.foodchem.2025.144431

- नील एस., मंडल ए., साहा एस., दास ए., कुंडु ए. और सिंह ए. (2025). जिमनेमा सिल्वेस्ट्रे सैपोनिन्स की संभावित एंटिफंगल क्रिया: इन विट्रो और इन सिलिको परिप्रेक्ष्य। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस,* 16.doi: 10.3389/fpls.2025.1508454
- निर्मलरूबन आर., यादव आर., सुगुमार एस., आलेक्या एम., मजुमदार ए. के., बाबू पी., कुमार एम., गायकवाड़ के. बी., बैंसला एन. के., सिंह एस. के. और मंडल पी. के. (2025). सहनशीलता के लिए जड़ संरचना: गेहूं (*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.) में उपज वृद्धि और सहनशीलता हेतु केंद्रीय मेटाजाइलम क्षेत्र को प्रजनन लक्ष्य के रूप में उपयोग। *बीएमसी प्लांट बायोलॉजी,* 25.doi: 10.1186/s12870-025-06523-9
- पांडेय ए., बाबू एस., राठौर एस. एस., उपाध्याय पी. के., सिंह आर. के., यासीन एम., राज आर., शेखावत के., देवी के., कुमार वी., गैरोला ए., यादव डी., सिंह आर. (2025).आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में खाद्य, अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय परिणामों के संतुलन हेतु सतत कृषि उत्पादन मॉडल का निर्माण। *क्लीनर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी.* doi: 10.1016/j.clet.2025.101016
- प्रमाणिक के., गोस्वामी ए. के., कुमार सी., सिंह आर., प्रभा आर., झा एस. के., ठाकरे एम., गोस्वामी एस., आदित्य के., मौर्य ए., चंदा एस. (2025). अमरूद (*प्सिडियम गुआजावा* एल.) जीनोम की इन सिलिको माइनिंग द्वारा जीनोम-वाइड एसएसआर मार्करों का विकास: आनुवंशिक विविधता विश्लेषण और प्रजातियों व वंशों के बीच स्थानांतरण अध्ययन। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस,* 16.doi: 10.3389/fpls.2025.1527866
- प्रसाद वी. वी. वी., पटेल वी. बी., धाकड़ एम. के., दास बी., बिशी एस. के., भदाना वी. पी., मिश्रा जी. पी., मेहत्रे वी., सिंह एस. के., नाथ वी., अश्रय आर., पांडेय डी. (2025). बेल [*एगल मार्मेलोस* (एल.) कोर्रिया.] में फल फटने की प्रक्रिया का भौतिक-जीव रासायनिक और डी नोवो ट्रांस्क्रिप्टोमिक दृष्टिकोण से स्पष्टीकरण। *प्लांट स्ट्रेस,* 16. doi: 10.1016/j.stress.2025.100819
- प्रवाथी एन. एन., अरुण कुमार टी. वी., अरदवाड़ पी. पी., लामा ए., दास आर., राम्या सी. एस., पत्तैया एम., उत्पल, एक्का, हसन एम. और साहू पी. के. (2025). तरबूज में परिपक्वता की भविष्यवाणी हेतु ध्वनिक और गुणवत्ता विशेषताओं का उपयोग कर मशीन लर्निंग विधियों का तुलनात्मक विश्लेषण। *फूड केमिस्ट्री,* 486. doi: 10.1016/j.foodchem.2025.144431
- रक्षित एस., शेखर एस., साहू एस. आर., घोषाल एस., नारायणन एन., सिंह एन. और बनर्जी टी. (2025). जल में ग्लाइफोसेट और अम्पा के सूक्ष्म स्तर की मात्रात्मकता हेतु एलसी-टीक्यू एमएस का उपयोग कर त्वरित तकनीक का विकास और प्रमाणीकरण। *साइंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट,* 978.doi: 10.1016/j.scitotenv.2025.179421
- सेल्वन एस. टी., पल्लवी, सीम के., अमरा वी. वाई., प्रभात वी., विनोद के. के., सिंह ए., मोहापात्रा टी. और कुमार एस. (2025). फॉस्फोरस-अभाव तनाव के अंतर्गत लगातार उगाए गए धान का समग्र मल्टी-ओमिक्स विश्लेषण पी यू पी 1-मध्यस्थित नियामक तंत्र को उजागर करता है। *करंट प्लांट बायोलॉजी,* 43.doi: 10.1016/j.cpb.2025.100505
- सिंह टी., गोस्वामी एस., अली ए., मुनीब्यरप्पा एस., दत्ता एम., थिम्मेगौड़ा वी., कुमार आर. आर., बंसल एन., अदिति के., मीना एम. सी., मिश्रा जी. पी., सिंह एस. पी., सिंह एन. और सत्यवती सी. टी. (2025).विविध बाजरे की किस्मों से तैयार चपाती में फेनोलिक्स का लक्षणन और फाइटिक एसिड सामग्री का लौह और जस्ता की जैव उपलब्धता पर प्रभाव। *मॉलिक्यूलर न्यूट्रिशन एंड फूड रिसर्च.* doi: 10.1002/mnfr.70130
- तोमर एम., भारद्वाज आर., सिंह पी., कौर एस., सिंह एस. पी., दहूजा ए., कृष्णन वी., कंसल आर., यादव वी. के., जॉन आर., सिंह ए. के., कौशल पी., गौड़ा वी. टी., हसन एम., चोयल पी., गुप्ता ओ. पी., प्रवीण एस. और सचदेव ए. (2025). अनाज से लाभ तक: निकट-अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) द्वारा अनाज गुणवत्ता विश्लेषण में पारंपरिक विधियों और केमोमेट्रिक नवाचारों को जोड़ना। *फूड कंट्रोल,* 178.doi: 10.1016/j.foodcont.2025.111482
- वाटपाड़े एस., देवी आई., बागुल एस. वाई., खडके जी. एन., कुमार डी., कुमारी एच., कुमार जे., कुमार आर., प्रमाणिके के. के., पाल डी., म्हात्रे पी. एच. और केदार एस. सी. (2025). *पेनिसिलियम क्रस्टोसुम थॉम* द्वारा उत्पन्न सेब की नीली फफूंद के प्रबंधन हेतु पर्यावरण-अनुकूल रणनीतियों की खोज। *पोस्टहार्वेस्ट बायोलॉजी एंड टेक्नोलॉजी,* 227. doi: 10.1016/j.postharvbio

भा.कृ.अ.सं. में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भ्रमण

दिनांक 4 अप्रैल, 2025 को राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (नीति आयोग) के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 10 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधिमंडल का भ्रमण

दिनांक 14 अप्रैल, 2025 को मिशिगन विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल का भ्रमण

दिनांक 21 अप्रैल, 2025 को कृषि एवं वन मंत्रालय के सचिव दाशो थिमले नामग्याल के नेतृत्व में भूटानी प्रतिनिधिमंडल का भ्रमण

दिनांक 01 मई, 2025 को नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री श्री कमल बहादुर शाह का भ्रमण

दिनांक 06 मई, 2025 को बिहार लोक प्रशासन एवं विकास संस्थान (बिपार्ड) से नवनियुक्त कृषि अधिकारियों का भ्रमण

दिनांक 24 जून, 2025 को अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन के डॉ. खुशनूद अली द्वारा संचालित मलेशियाई कृषि अनुसंधान एवं विकास संस्थान, मलेशिया के सदस्यों का भ्रमण

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली–110012 की ओर से, प्रकाशन यूनिट द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित तथा एम एस प्रिंटर्स, सी–108/1 बैक साइड, नारायणा इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110028 द्वारा मुद्रित। दूरभाषः– 011–45404606